विश्व हिंदी दिवस समारोह (अलमाटी 29 जनवरी, 2016) के अवसर पर भारत के राजदूत श्री हर्ष कुमार जैन द्वारा दिया गया भाषण

आदरणीय श्री एरूलान झीनबायेव, महात्मा गांधी विद्यालय के प्राचार्य, श्रीमती अकमराल कैनाजारोवा, भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र अलमाटी की निदेशक, उपस्थित विशिष्ट अतिथिगण, प्रिय मित्रों, छात्रों एवं छात्राओं।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि आज विश्व हिंदी दिवस महात्मा गांधी विद्यालय प्रांगण में मनाया जा रहा है। इस सुअवसर पर आप सबको मेरी हार्दिक शुभ कामनाएं।

हिंदी भारत की सबसे अधिक लोकप्रिय भाषा है। इसे लगभग 40 से 50 करोड़ भारतवासी मातृभाषा की तरह प्रयोग करते हैं। भारत के अलावा कई अन्य देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। खासकर दक्षिणी एशिया में अधिकतर लोग इसे बोलते और समझते हैं एवं अक्सर इसे सम्पर्क भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं।

विश्व के दूसरे हिस्सों में जहां-जहां दक्षिणी एशिया मूल के निवासी रहते हैं वहां-वहां भी हिंदी भाषा प्रचलित है। ऐसा अनुमान है कि हिंदी विश्व में तीसरी या चौथी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। भारतवासियों के अलावा, भारत में दिलचस्पी रखने वाले दूसरे देशों के नागरिक भी हिंदी का अध्ययन करते है। यह उन्हें भारत की अनुपम संस्कृति को अच्छे ढंग से समझने में सहयोग करती है।

हिंदी एक आकर्षक और सरल भाषा है। जो इसे एक बार सीख लेता है, वह इसका प्रेमी हो जाता है। मुझे अत्यन्त खुशी है कि हिंदी भाषा का अध्ययन कजाखस्तान में भी किया जा रहा है। हिंदी भाषा अलफराबी विश्व विद्यालय और भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र अलमाटी मे पढ़ाई जा रही है। कुछ वर्षों तक हिंदी यूरेशियन नेशनल विश्वविद्यालय में भी पढ़ाई गई थी। यहां के कई छात्रों और छात्राओं ने भारत में स्थित केंद्रीय हिंदी संस्थान में अध्ययन किया है। भारत सरकार इसके लिए उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करती है।

इस वर्ष अलफराबी की मदद से हम हिंदी-कजाख-हिंदी भाषा का पहला शब्दकोष प्रकाशित करने जा रहे हैं। इससे भारत में कजाख भाषा पढ़ने और कजाखस्तान में हिंदी भाषा का अध्ययन करने में बहुत मदद मिलेगी। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हिंदी और कजाख भाषाओं में बहुत सारे समान शब्द है। हमने लगभग 200 ऐसे शब्द ढूँढ़ निकाले हैं। शब्दों की समानता हमारे नजदीकी एतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाती है। ऐसे ही दो शब्द हैं-तेज कदम, जिसे हमने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कजाखस्तान यात्रा के दौरान जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य का शीर्षक रखा था।

हिंदी की बढ़ती हुई लोकप्रियता का ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2008 में मॉरीशस में विश्व हिंदी सचिवालय का गठन किया गया। जिसका उद्देश्य हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में विस्तार करना है। पिछले वर्ष सितम्बर माह में 10वां विश्व हिंदी सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया गया। भारत के अलावा 39 देशों के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। उनका यह मानना था कि हिंदी संयुक्त राष्ट्र संघ की राजकीय भाषा होनी चाहिए। हम इस दिशा में अपनी कोशिश जारी रखेगें।

मुझे खुशी है कि पिछले वर्ष से विश्व हिंदी दिवस कजाखस्तान में मनाया जा रहा है। इसमें आप सबका योगदान अत्यन्त सराहनीय है।

आज के आयोजन के लिए मैं खासकर भारतीय शास्त्रीय नृत्य केंद्र और महात्मा गांधी विद्यालय अलमाटी को धन्यवाद देना चाहूँगा। आप सबको भी आज के समारोह मे सम्मिलित होने के लिए मेरा हार्दिक आभार।

धन्यवाद।